शुक्रवार

27 जून 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 143
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पंचायत चुनावों से रोक हटी

❑नया चुनाव कार्यक्रम घोषित होगा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आज हाईकोर्ट ने सरकार को भारी राहत देते हुए पंचायत चुनावों पर लगी रोक को हटा दिया गया है। आज नैनीताल हाईकोर्ट में सरकार की ओर से पेश किये गए आरक्षण रोस्टर समेत अन्य दस्तावेजों पर चली सुनवाई के बाद चीफ जस्टिस जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने पंचायत चुनाव की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर अपनी सहमति दे दी गयी है।

विदित हो कि बीती 21 जून को पंचायत चुनाव की घोषणा के बाद 23 जून को हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगाते हुए सरकार से आरक्षण सहित कई बिंदुओं पर जवाब-तलब कर तगड़ा झटका दे दिया था। जिस पर आज उत्तराखंड हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने राज्य सरकार को अंतरिम राहत देते हुए पंचायत चुनाव संपन्न कराने की अनुमति प्रदान कर दी गयी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ताओं ने कोर्ट को अवगत कराया कि पंचायत चुनाव की पूरी तैयारी की जा चुकी है और कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया है। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने कुछ तकनीकी एवं संवैधानिक मुद्दों को उठाया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने फिलहाल चुनाव पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया और स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है।

हाईकोर्ट के इस फैसले से सरकार को जहां बड़ी राहत मिली है, वहीं राज्य निर्वाचन आयोग को अब चुनाव कार्यक्रम की औपचारिक घोषणा का मार्ग भी प्रशस्त हो गया है। यह फैसला राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती व्यवस्था को समयबद्ध रूप से लागू करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बता दे कि 23 जून 2025 को हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ ने पंचायत चुनावी प्रक्रिया पर रोक लगाई थी, क्योंकि सरकार ने आरक्षण की नई रोटेशन प्रणाली के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी नहीं किया था। अदालत ने सरकार से जवाब तलब किया था और कहा कि जब मामला न्यायालय में विचाराधीन है तब कैसे चुनाव की तिथियाँ घोषित की गईं?

वहीं याचिकाकर्ता गणेश दत्त कांडपाल ने तर्क दिया कि पुरानी रोटेशन नीति के तीन कार्यकालों के बाद सीटें बदलती थी, लेकिन सरकार ने इसे रद्द करके कुछ सीटों को चौथे कार्यकाल के लिए भी आरक्षित कर दिया। यह रोटेशन के मूल सिद्धांत के खिलाफ है। राज्य सरकार द्वारा कहा गया कि गजट नोटिफिकेशन 14 जून 2025 को हुआ था, लेकिन कम्युनिकेशन गैप के कारण अदालत को समय पर सूचना नहीं मिली।

अलकनंदा में दूसरे दिन भी चला रेस्क्यू अभियान

रेस्क्यू अभियान के दौरान आज एक शव बरामद, अन्य की तलाश जारी

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। अलकनंदा नदी में बीते रोज हुई बस दुर्घटना के दौरान लापता नौ लोगों की खोज में रेस्क्यू अभियान आज दूसरे दिन भी जारी रहा। आज हुए रेस्क्यू अभियान के दौरान राजस्थान निवासी एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। जिसको कब्जे में लेकर पुलिस ने अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

बता दें कि ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती सुबह घोलतीर के पास यात्रियों से भरी एक बस खाई में गिरकर अलकनंदा नदी में समा गयी। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गयी जबकि आठ घायल है जिनमे से चार का ऋषिकेश एम्स में उपचार जारी है। वहीं वाहन सहित नौ लोग लापता है। जिनकी तलाश में आज भी सर्च आप्रेशन जारी

है। बताया जा रहा है कि उनमें से एक व्यक्ति का शव आज चलाये गये रेस्क्यू अभियान के दौरान बरामद हुआ है।

मिली जानकारी के अनुसार बस दुर्घटना में लापता चल रहे 9 व्यक्तियों की ढूंढ़खोज के लिये आज प्रात:काल से ही प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति एवं निगरानी में जिला पुलिस, फायर सर्विस, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ व जल पुलिस के स्तर से संयुक्त रुप से रेस्क्यू अभियान प्रारम्भ किया गया है। दुर्घटनास्थल से लेकर श्रीनगर तक के क्षेत्र में विभिन्न प्वाइन्टों पर वॉचरों की नियुक्ति सहित अलकनन्दा नदी में बोट व सोनार की मदद से ढूंढ-खोज अभियान चलाया जा रहा है। लगातार चलाये जा रहे इस सर्च व रेस्क्यू अभियान के दौरान अब तक रेस्क्यू टीमों को रतूड़ा क्षेत्रान्तर्गत नदी किनारे एक शव बरामद हुआ है। उक्त शव को सड़क पर लाकर शव वाहन की मदद से जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग भिजवाया गया है। एसपी रुद्रप्रयाग अक्षय प्रहलाद कोंडे ने बताया कि आज रेस्क्यू के दौरान मिले शव की पहचान संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल राजस्थान, (उम्र 55 वर्ष) के रूप में हुई है, जिनका पंचायतनामा व पोस्टमार्टम की कार्यवाही के उपरान्त शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया जायेगा। साथ ही शेष 8 मिसिंग रह गये व्यक्तियों की तलाश किये जाने हेतु सर्च एवं रेस्क्यू अभियान निरन्तर जारी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

हादसों के बीच चारधाम यात्रा

बात चाहे सड़क हादसों की हो या फिर हेलीकॉप्टर क्रैश जैसी दुर्घटनाओं की। आए दिन एक के बाद एक बड़ा हादसा सामने आने से चार धाम यात्रियों में अपनी सुरक्षा को लेकर जो सवाल उनके मन को मथ रहे हैं वह चिंतनीय है। सड़क मार्गों पर इन दिनों तमाम तरह की असुविधाओं व असुरक्षा से यात्रियों का परेशान होना स्वाभाविक है। कहीं भूस्खलन की जद में आने से यात्रियों को जान से हाथ धोने पड़ रहे हैं तो कहीं रास्ता बंद होने से कई-कई घंटे तक जाम में उलझे यात्री परेशान हो रहे हैं। कहीं अनियंत्रित वाहन खाई और नदियों में गिर रहे हैं तो कहीं सड़कों के बहने से वहां की आवाजाही प्रभावित हो रही है। बीते कल हुए एक बड़े सड़क हादसे में तीन लोगों की जान तो चली ही गई जो नौ लोग लापता है अब उनके जीवित होने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी है। अलकनंदा के तेज बहाव में अब उनके शवों को भी तलाशना मुश्किल हो रहा है। अभी इससे पूर्व एक हेलीकॉप्टर क्रैश की घटना में पायलट सहित सात लोगों की जान चली गई थी। तब से हेली सेवा बाधित पड़ी है जिसे अब मानसून काल के बाद ही शुरू किए जाने की संभावना है। कल एक बार फिर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा अधिकारियों के साथ बैठक कर सड़क सुरक्षा के और अधिक बेहतर इंतजाम करने के आदेश दिए गए हैं हर एक हादसे के बाद जो एक फॉर्मेलिटी जैसा बनकर रह गया है। खास बात यह है कि हर बार सरकार बेहतर इंतजाम और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर वायदे और दावे तो तमाम करती है लेकिन नतीजा हमेशा ढाक के तीन पाथ ही रहता है। वर्तमान समय में जब लगातार हेलीकॉप्टर दुर्घटनाएं हुई तो राज्य में संचालित होने वाली हेली सेवाओं में खटारा हेलीकॉप्टरों के उपयोग की बात सामने आई थी ठीक उसी तरह अब सड़क हादसों को लेकर भी वाहनों की फिटनेस और जांच पर सवाल उठ रहे हैं। सड़कों की खराब स्थिति की बात किसी से नहीं छुपी है वहीं दुर्घटना के लिहाज से जो संवेदनशील जोन है उनमें किए जाने वाले ट्रीटमेंट प्लांट भी सवालों के घेरे में हैं। पहाड़ों के रास्तों पर जो समस्याएं होती है वह तो अलग बात है किंतु यात्रा शुरू होने तक भी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न हो पाना और यात्रा के दौरान भी मरम्मत का काम जारी रहना यात्रा की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। यात्रा काल समाप्त होने के बाद सरकार कितने यात्री आये, कितनी दुर्घटनाएं हुई और कितने लोगों की जानें गई इसके आंकड़े देख भर लेती है। चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं के साथ जब ऐसा कोई बड़ा हादसा हो जाता है जिसमें उनकी जान चली जाती है तो इससे उनके परिवार को कितना सदमा और दुख पहुंचता है इसकी पीड़ा का एहसास सिर्फ परिजनों को ही होता है। मंगल की कामना लेकर यात्रा पर आने वाले किसी भी श्रद्धालु के साथ कुछ अमगल न हो तथा वह उत्तराखंड से यात्रा की सुखद अनुभूतियों के साथ अपने घर लौटकर जा सके? सरकार को इसके लिए बेहतर और पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है। अभी मानसूनी आपदाओं का दौर शुरू भी नहीं हुआ है मानसून काल में यात्रियों की सुरक्षा का मुद्दा और भी अधिक गंभीर हो जाता है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है।

पर्यटकों को असुविधा, यातायात के भारी दबाव से बचाने हेतु यातायात प्लॉन तैयार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मसूरी में पर्यटकों को असुविधा, यातायात के भारी दबाव से बचाने के लिए यातयात प्लान तैयार किया यह कार्ययोजना इस वीकेंड से लागू कर दी जायेगी।

आज यहां मसूरी आने वाले सभी पर्यटकों/आम जन से दून पुलिस की अपील, पुलिस द्वारा तैयार किये गये यातायात/रूट डायवर्जन प्लान का पालन करते हुए यातायात के सुचारू संचालन में अपना सहयोग प्रदान करें। वर्तमान में यात्रा/पर्यटक सीजन के दौरान देहरादून के पर्यटक स्थलों मसूरी व अन्य स्थानों में भारी संख्या में पर्यटकों का आवागमन हो रहा है।

मसूरी में विगत दिनों में पर्यटकों के आने के आंकडों का आंकलन करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि सामान्य दिनों में लगभग 08 हजार वाहनों का मसूरी आवागमन होता है, परन्तु वीकेंड के दौरान यही संख्या बढकर 15 हजार से अधिक हो रही है। वर्तमान में मसूरी क्षेत्रान्तर्गत लगभग 414 होटल तथा होम स्टे संचालित हो रहे हैं, जिनमें वाहनों के पार्क किये जाने की क्षमता लगभग 4590 है, जिसके अनुसार मसूरी आने वाले वाहनों की संख्या पार्किंग क्षमता से 10 गुना अधिक है। भारी संख्या में पर्यटकों के मसूरी आने की सम्भावना तथा उक्त स्थिति में यातायात के सुचारू संचालन एवं पर्यटकों तथा आम जनमानस को यातायात के भारी दबाव की स्थिती से बचाने हेतु दून पुलिस द्वारा तैयारियां की

❑कार्ययोजना इस वीकेंड में भी लागू

गई। मसूरी में यातायात के अतिरिक्त तथा अत्यधिक दबाव के दृष्टिगत मुख्य मार्गों, पार्किंग स्थलों तथा भीड-भाड वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई है। यातायात प्रबन्धन हेतु विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए यह निर्धारित किया गया है कि विभिन्न होटलों में चैक आउट के समय में 03 घंटे की अवधि का अन्तर रहेगा, जिससे एक ही समय पर मसूरी में आने तथा मसूरी से वापस जाने वाले पर्यटक वाहनों की संख्या को नियंत्रित किया जा सके। यातायात पर प्रभावी नियंत्रण रखे जाने के दृष्टिगत ड्रोन की सहायता से भी यातायात के अत्यधिक दबाव वाले स्थानों को चिन्हित कर यथाशीघ्र नजदीकी पुलिस कर्मियों को सूचित कर यातायात व्यवस्था को सुचारू किया जा रहा है तथा ड्रोन मानिटरिंग के अनुसार ही यातायात डायवर्जन प्लान लागू किया जा रहा है। मसूरी में यात्रा प्रबन्धन के लिए जनसहभागिता को सुनिश्चित करने हेतु जनपद स्तर पर हितधारकों के साथ गोष्ठियां का आयोजन करते हुए उनसे भी यातायात के निर्बाध संचालन एवं पर्यटकों को किसी भी प्रकार की असुविधा से बचाये जाने हेतु सहायता ली जा रही है। मसूरी में यातायात का दबाव बढने पर टिहरी बस अड्डे से देहरादून की ओर आने वाले वाहनों को सिविल अस्पताल की ओर से डायवर्ट करते हुए लण्ढौर से आने वाले वाहनो को एमडीडीए पार्किंग में पार्क किया जा रहा है तथा देहरादून की ओर जाने वाले वाहनों को नगर पालिका कार्यालय से होते हुए पिक्चर पैलेस बस अड्डे की ओर डायवर्ट किया जायेगा। लाइब्रेरी चौक से पिक्चर पैलेस की तरफ जाने वाले वाहनों को अम्बेडकर चौक (घोडा स्टैण्ड) से कैमल बैक रोड की तरफ डायवर्ट कर ग्रीन चौक कुलडी बाजार होते हुए पिक्चर पैलेस बैरियर से अपने -अपने गंतव्य की ओर भेजा जायेगा।

निर्माणाधीन मकान से तार के बंडल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने निर्माणाधीन मकान से बिजली की तार के बंडल चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कालिदी एन्क्लेव निवासी मुकेश गोयल ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह जनकपुरी में मकान का निर्माण करा रहे हैं। आज जब वह अपने निर्माणाधीन मकान में पहुंचा तो उसने देखा कि मकान से 90 बंडल बिजली के तार के गायब थे।

गढवाल की सीटों का परिसीमन क्षेत्रफल के आधार पर हो:समिति

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति ने सरकार से मांग की है कि विधानसभा चुनाव से पहले गढवाल की सीटों का परिसीमन क्षेत्रफल के आधार पर कराया जाये।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष और वरिष्ठ राज्य प्राप्ति आंदोलनकारी प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश सरकार से मांग की के वह आगामी विधानसभा के चुनाव को देखते हुए गढ़वाल की सीटों का परिसीमन क्षेत्र फल के आधार पर कराए। वारसी और डंडरियाल ने कहा कि अगर परिसीमन क्षेत्रफल के आधार पर नहीं होगा तो गढ़वाल की सीटें कम हो जाएगी जो की एक सोचनीये है और विचारणीय विषय है सीटें कम होने से गढ़वाल का अस्तित्व कम हो जाएगा। दोनों आंदोलनकरियों प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने उम्मीद जताई कि सरकार विधानसभा सीटों का परिसीमन क्षेत्रफल के आधार पर कराएगी ताकि जनता को परेशानी से और क्षेत्र के अस्तित्व को बचाया जा सके।

सनसनीखेज गोलीकांड में मुख्य आरोपी सहित 7 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी क्षेत्र के बिरला स्कूल के पास हुई सनसनी खेज गोली काण्ड की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त पिस्टल बरामद की गयी है। एसपी सिटी हल्द्वानी प्रकाश चन्द्र ने मामले का खुलासा करते हुए बताया गया कि बीती 23 जून को कोतवाली हल्द्वानी क्षेत्रान्तर्गत प्रेमपुर लोशज्ञानी रोड बिड़ला स्कूल के पास हुई गोली काण्ड की घटना के संबंध में थाना हल्द्वानी पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले के खुलासे में जुटी पुलिस टीमों द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद घटना में शामिल आरोपियों की तस्दीक करते हुए मुख्य आरोपी रोहित मंडोला उर्फ राज मंडोला पुत्र भूपेंद्र सिंह मंडोला निवासी हरिपुर लालमणि गन्ना सेंटर हल्द्वानी जिला नैनीताल सहित कुल 7 आरोपियों को बेलबाबा मंदिर से आगे वन विभाग चेक पोस्ट के पास जंगल से गिरफ्तार किया गया तथा मुख्य आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक पिस्टल दो मैगजीन एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। गिरफ्तार अन्य आरोपियों के नाम प्रियांशु बिष्ट उर्फ हन्नु बिष्ट पुत्र हीरा बिष्ट निवासी ग्राम करायल जौलासाल थाना हल्द्वानी जिला नैनीताल, विशाल बिष्ट पुत्र भीम सिंह बिष्ट निवासी करायल जौलासाल हल्द्वानी नैनीताल, जीवन बिष्ट पुत्र हरीश सिंह बिष्ट निवासी छडैल सुयाल हिमालयन कालौनी थाना मुखानी हल्द्वानी, उज्जवल परगाई पुत्र नन्दन सिंह परगाई निवासी जीतपुर नेगी थाना हल्द्वानी नैनीताल, अक्षय रंगवाल उर्फ अक्कू पुत्र स्व. खुशाल सिंह रंगवाल निवासी हल्दूपोखरा नायक थाना हल्द्वानी जिला नैनीताल व संदीप कुमार पुत्र नन्द किशोर निवासी देवलचौड थाना हल्द्वानी जिला नैनीताल बताये जा रहे है।

कमेटियों के गठन में वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित कर मार्गदर्शन लेने के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने कहा कि बूथ स्तर की कमेटियों के गठन में वरिष्ठ नेताओं को आमंत्रित कर मार्गदर्शन लेना चाहिए।

आज यहां उत्तराखंड में कांग्रेस संगठन को चुस्त दुरुस्त बनाने के लिए जिला महानगर, ब्लॉक व यहां तक की बूथ कांग्रेस कमेटियों के गठन में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन अवश्य लें व उनको जिले से लेकर बूथ कांग्रेस कमेटियों की बैठकों में आदर पूर्वक आमंत्रित कर उनका मार्गदर्शन लें। यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जिला महानगर देहरादून व प्रदेश महिला कांग्रेस, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ की बैठकों में पार्टी पदाधिकारियों से कही। उन्होंने कहा कि हर बड़ा नेता पदाधिकारी, सांसद, विधायक, या सांसद व विधायक का चुनाव लड़ा व्यक्ति किसी ना किसी पोलिंग बूथ में मतदाता है इसलिए उनका मार्ग दर्शन व सहयोग

लेना अति आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि उत्तराखंड में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करण माहरा, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह,पूर्व अध्यक्ष गणेश गोदियाल जैसे अनुभवी व वरिष्ठ नेता हैं और प्रदेश के किसी भी जिले महानगर ब्लॉक या बूथ तक के कार्यक्रम में अगर इनको आमंत्रित किया जाएगा तो वे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए वहां अवश्य पहुंचेंगे। शर्मा ने कहा कि आगामी 30 जुलाई तक हमें पार्टी व पार्टी के सभी फ्रंटल संगठनों और प्रकोष्ठों का बूथ स्तर तक गठन पूरा कर लेना है। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत ने कहा कि प्रदेश के सह प्रभारी पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के सुझाव सुनने के लिए निरंतर उपलब्ध है और किसी भी कार्यकर्ता या पदाधिकारी को पार्टी संगठन के बारे में कोई सुझाव देना है वह सह प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा से मिल कर अपनी बात कह सकता है उस पर सकारात्मक कार्यवाही होगी।

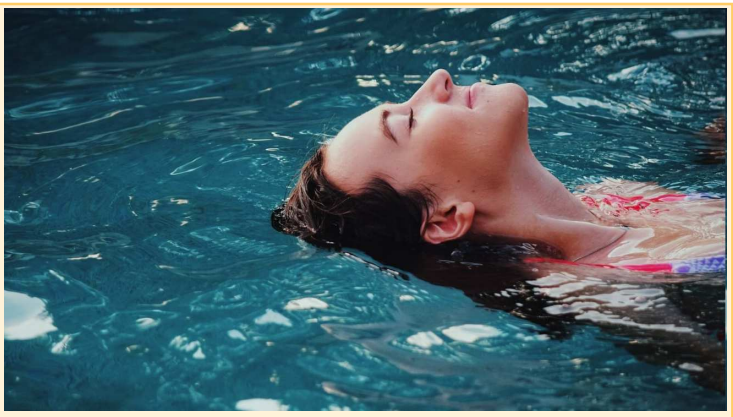

स्विमिंग करते समय अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से इन तरीकों से बचाएं

स्विमिंग सबसे अच्छी एरोबिक एक्सरसाइज में से एक है, जो न केवल आपके फिटनेस स्तर को बढ़ाती है बल्कि दिमाग और शरीर को भी आराम देती है। लेकिन पूल के पानी में क्लोरीन की मात्रा के कारण बालों को नुकसान हो सकता है। अगर आप रोजाना स्विमिंग करते हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी के नुकसान से बचा सकते हैं। अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी से बचाने के लिए तेल लगाना पहला और सबसे महत्वपूर्ण तरीका है। तेल सिर के रोमछिद्रों पर एक सुरक्षित परत बना देता है, जिससे क्लोरीन युक्त पानी स्कैल्प में नहीं घुसता। इसलिए स्विमिंग से पहले अपने सिर पर पर्याप्त मात्रा में तेल लगाकर कुछ मिनट हल्के हाथों से मसाज करें। इसके लिए आप नारियल के तेल या फिर जैतून के तेल का इस्तेमाल करें।

अगर आप स्विमिंग से पहले सामान्य पानी से अपने सिर को गीला कर लेते हैं तो इसकी मदद से क्लोरीन युक्त पानी को अपने बालों में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। तेल कोटिंग के साथ गीले बाल पूल के पानी से कम क्लोरीन को अवशोषित करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बालों को किसी भी तरह का नुकसान होने की संभावना कम हो जाती है।

लीव-इन कंडीशनर की मदद से भी आप अपने बालों को क्लोरीन के पानी से होने वाले नुकसान से बचा सकते हैं। यह न केवल आपके बालों को पोषण देता है बल्कि पूल के क्लोरीन और अन्य हानिकारक रसायनों के खिलाफ सिर पर एक सुरक्षात्मक परत भी बनाता है। इसके अतिरिक्त, अगर आप किसी आउटडोर पूल में स्विमिंग करने वाले हैं तो अपने सिर पर सन प्रोटेक्टेंट हेयर स्प्रे का इस्तेमाल जरूर करें। बालों को क्लोरीन युक्त पानी से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए स्विमिंग कैप पहनना सबसे अच्छा तरीका है। यह पूरे सिर को ढकता है और पानी को बालों के संपर्क में आने से रोकता है। साफ शब्दों में कहें तो इसकी मदद से आप अपने बालों को क्लोरीन युक्त पानी सुरक्षित रख सकते हैं। इसके लिए बस अपने स्विम वियर की मैचिंग कैप पहनकर स्विमिंग करें। इससे आप स्टाइलिश लगेंगे।

जब आप एक बार अपना स्विमिंग सेशन खत्म कर लें तो इसके बाद अपने सिर को सामान्य पानी से गीला कर लें। इसके बाद अपने सिर पर एंटी-क्लोरीन शैंपू का इस्तेमाल करके अच्छे से धो लें। यह न केवल बालों और खोपड़ी से क्लोरीन के जमाव को हटाएगा बल्कि बालों को पोषण भी देता है।

व्यायाम करने के हैं कई फायदे

ज्यादा वजन वाले लोगों के लिए व्यायाम न सिर्फशरीर बल्कि दिमाग के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। अध्ययन के मुताबिक, एक्सर्साइज से न सिर्फ मेटाबॉलिज्म, मूड और जनरल हेल्थ को फायदा पहुंचता है बल्कि ब्रेन के फंक्शन को भी सुधारने में मदद मिलती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि ओवरवेट या मोटापे से जूझ रहे लोगों का दिमाग इंसुलिन प्रतिरोधक हो जाता है, इससे शरीर के पोषक तत्वों की सही जानकारी नहीं पहुंचती है। इस स्टडी को मोटापे से जूझ रहे 22 लोगों पर किया गया। उनके दिमाग को 8 हफ्तों के व्यायाम से पहले और बाद में स्कैन किया गया। साथ ही में इंसुलिन स्प्रे करने के बाद उनके ब्रेन फंक्शन को नापा गया। इस दौरान पार्टिसिपेट करने वालों के मेटाबॉलिजम और मूड पर भी ध्यान रखा गया। स्टडी के रिजल्ट में सामने आया कि व्यायाम से भले ही वजन बहुत कम हुआ हो लेकिन दिमाग को इससे बहुत ज्यादा फायदा पहुंचा। सिर्फ8 हफ्तों की एक्सर्साइज में मोटापे से जूझ रहे लोगों का दिमाग ठीक उसी तरह फंक्शन करने लगा जैसे आम लोगों का करता है।

एक्सर्साइज से दिमाग के ब्लड फ्लो को बढ़ाने में मदद मिली जिससे मोटर कंट्रोल और रिवॉर्ड प्रॉसेस में सुधार हुआ। इतना ही नहीं 8 सप्ताह तक व्यायाम करने का मूड पर भी सकारात्मक असर देखने को मिला है। ज्यादा वजन के कारण इंसुलिन को लेकर होने वाली परेशानी भी ब्रेन में दूर हो गई, जिसके सुधरने पर वजन को तेजी से घटाने में मदद मिलती है। अभी तक व्यायाम से शरीर को कितने फायदे होते हैं इस बारे में तो सभी जानते हैं लेकिन अब अधिक वजन वाले लोगों को भी इससे फायदा बताया गया है।

ब्लड शुगर कंट्रोल कर डायबेटिक का खतरा कम करती है ब्लैक टी

ब्लैक टी के सेवन से हमारे शरीर में ग्लूकोज का लेवल ठीक रहता है। कुछ रिसर्च में यह बात भी सामने आई है कि ब्लैक टी में ब्लड शुगर कंट्रोल करने की खूबी होती है। नॉर्मल और डायबेटिक दोनों ही तरह के लोगों को ब्लैक टी का सेवन कराने पर उन दोनों ही ग्रुप के लोगों में ब्लैक टी ने बढ़ते हुए ब्लड ग्लूकोज लेवल को कम करने का काम किया। एक अध्ययन में पाया गया है कि ब्लैक टी एक शुगर ऐडेड ड्रिंक लेने के बाद भी हेल्दी और प्री-डायबेटिक दोनों लोगों में ब्लड शुगर के लेवल में वृद्धि को रोकती है। एशिया पेसेफिक जरनल ऑफ क्लिनिकल न्यूट्रिशन में पब्लिश हुई इस स्टडी में भी इस बारे में जानकारी दी गई। ब्लैक टी काफी प्रभावी तरीके से डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार है।

रिसर्च में सामने आया कि ब्लैक टी में मौजूद पैलिफेनॉल्स और ऐंटिऑक्सिडेंट्स टाइप-2 डायबिटीज के साथ ही कैंसर के खतरे को भी कम करते हैं। ब्लैक टी में फ्लोराइड की भी अच्छी मात्रा होती है। यह हमारी हड्डियों को मजबूत बनाने और शरीर को निरोगी रखने में मददगार है। रिसर्च में दुनिया के उन 50 देशों से डेटा कलेक्ट किया गया, जहां ब्लैक टी की खपत सबसे अधिक है।

लैब में की गई रिसर्च में सामने आया है कि ब्लैक टी का अर्क कार्बोहाइड्रेट के अवशोषण को कम करके पोस्टप्रांडियल ब्लड ग्लूकोज घटाने में मदद करता है। लेकिन स्टीज से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि अभी ब्लैक टी के ग्लूकोज नियंत्रण और इससे होनेवाले लाभों पर और अधिक रिसच् किए जाने की जरूरत है। ब्लैक टी पीने का सही तरीका है कि आप इसमें शुगर ऐड ना करें और अगर बिना शुगर के आप इसका सेवन ना कर पाएं तो इसमें बहुत कम मात्रा में शुगर या शहद ऐड कर सकते हैं।

ब्लैक टी इंसुलिन सेंसेटिविटी में सुधार करती है। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करने के साथ ही ब्लड को पतला रखने में मददगार है। इससे ब्लड क्लॉटिंग का खतरा कम होता है।

माइग्रेन के दर्द से छुटकारा दिलाएंगी दवाओं से अलग थेरपी

अगर आपने कभी माइग्रेन का दर्द सहा है तो ही आप समझ सकते हैं कि यह कितना भयानक होता है। कई बार पेनकिलर्स भी पूरी तरह इस दर्द को शांत नहीं कर पाते हैं। माइग्रेन अटैक की स्थिति में स्ट्रॉन्ग पावर की दवाइयां दी जाती हैं। माइग्रेन का दर्द एक ऐसा खौफ होता है जिसे माइग्रेन पेशंट हमेशा अपने साथ लेकर चलता है। ऐसे में दवाओं के अलावा कुछ और भी तरीके हैं जिससे माइग्रेन के दर्द से बचा जा सकता है।

कुछ मरीज इन अन्य उपायों से माइग्रेन के दर्द में आराम मिलने का दावा करते हैं। इनको रेग्युलर करते रहने से माइग्रेन का दर्द बार-बार नहीं होता है। आइए, आपको ऐसे ही कुछ उपायों के बारे में बताते हैं जिनसे माइग्रेन के दर्द में आराम पाया जा सकता है।

तेल

कुछ औषधीय तेल दर्द में आराम देते हैं और माइग्रेन का दर्द भी उनमें से एक है। पेपरमिंट ऑइल सिरदर्द और माइग्रेज के इलाज में इस्तेमाल किया जाता है। इससे मांस-पेशियों को आराम मिलता है और सिर दर्द से भी राहत मिलती है।

ऐक्युपंक्चर

ऐक्युपंकचर प्राचीन चाइनीज टेकनीक है। इसमें प्रैक्टिशनर बीमारी के हिसाब से किसी खास जगह पर नीडल से पंक्चर करता है। इससे ऐनर्जी इंबैलेंस ठीक हो जाता है और दर्द में आराम मिलता है।

मसाज

स्ट्रेस और टेंशन रिलीज करने के लिए मसाज सबसे कारगर तरीकों में से एक है। मसाज से मांस-पेशियों के खिंचाव दूर होते हैं और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। खासकर, सिरदर्द और पीछ दर्द के लिए यह बहुत फायदेमंद है।

मेडसिनल प्लांट्स

मेडिसिनल प्लांट्स भी कई बीमारियों को दूर करने में सक्षम होते हैं। माइग्रेन के लिए भी ऐसा कई प्लांट्स हैं जिनका उपयोग आप इस दर्द से पीछा छुड़ाने के लिए कर सकते हैं। अपने डॉक्टर की सलाह से आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

अनार के छिलके के फायदे जानकर आप भी रह जाएंगे हैरान!

अब अनार खाने के तो अनगिनत फायदे हैं, पर क्या आपको पता है कि सेहत के लिए जितना फायदेमंद अनार है, उतना ही उसके छिलके। अनार का छिलका इतना गुणकारी होता है कि अगली बार आप जब भी अनार खाएंगे, उसके छिलके कचरे के डब्बे में फेंकने से पहले 20 बार सोचेंगे।

*जिन महिलाओं के साथ अनियमित पीरियड्स की शिकायत रहती है और इस दौरान पेट में असहनीय दर्द होता है, उनके लिए ये सबसे कारगर है। बस आप अनार के सूखे छिलकों को पीसकर एक चम्मच पानी के साथ लें। इससे रक्तस्त्राव कम होगा और पेट दर्द में राहत भी मिलेगी।

*जिन्हें बवासीर की शिकायत है वे 4 भाग अनार कके छिलके और 8 भाग गुड़ को कूटकर छान लें और बारीक-बारीक गोलियां बनाकर कुछ दिन तक सेवन करें।

*अनार का छिलका गले का टॉन्सिल, हृदय रोग, मुंहासे, झुर्रियों, मुंह की बदबू, बवासीर, खांसी और नकसीर जैसी बीमारियों से राहत दिलाने में लाभदायक है।

*अनार के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बनाकर इसमें गुलाब जल एड कर के चेहरे पर लगाने से झुर्रियां दूर हो जाती हैं। मुंह से बदबू आती है तो इसके छिलके के सूखे पाउडर को एक ग्लास पानी में मिलाकर पिएं। अनार के छिलको को सनस्क्रीन के तौर पर भी लगाया जा सकता है। सूखे छिलके को किसी भी तेल के साथ मिक्स कर के चेहरे पर लगाने से यह सन टैनिंग से रोकता है।

मांगटीका खरीदने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, होगा सही चयन

मांगटीका एक ऐसा गहना है, जो महिलाओं के सिर पर लगती है और यह पारंपरिक भारतीय कपड़ों के साथ बहुत अच्छा लगता है। हालांकि, सही मांगटीका चुनना आसान नहीं होता है। सही मांगटीका चुनने के लिए आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए ताकि यह न केवल आपके चेहरे पर जचे, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाए। आइए जानते हैं कि मांगटीका खरीदते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

चेहरे के आकार का ध्यान रखें

मांगटीका खरीदते समय अपने चेहरे के आकार का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अगर आपका चेहरा गोल है तो लंबी और पतले डिजाइन वाला मांगटीके चुनें। ये आपके चेहरे को लंबा दिखाने में मदद करेंगे, वहीं अगर आपका चेहरा लंबा है तो चौड़ी और भारी डिजाइन वाले मांगटीके चुन सकते हैं।

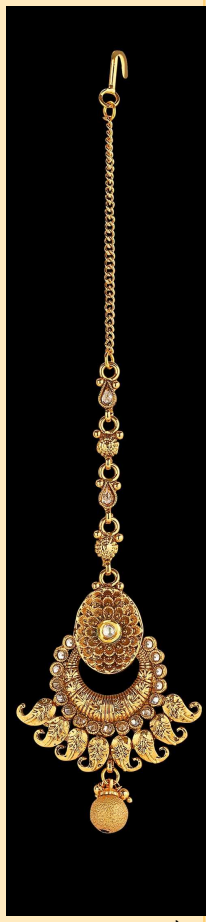

इसके अलावा अगर आपका चेहरा अंडाकार है तो किसी भी तरह की डिजाइन चुन सकते हैं, लेकिन छोटी और मध्यम आकार की मांगटीके बेहतर रहेंगी।

पारंपरिक या आधुनिक, अपनी पसंद चुनें

मांगटीका खरीदते समय आपको यह तय करना होगा कि आपको पारंपरिक डिजाइन पसंद है या आधुनिक।

पारंपरिक मांगटीके अक्सर जरी की कारीगरी और रत्नों से सजाए जाते हैं, जबकि आधुनिक मांगटीके सरल और हल्के होते हैं।

अगर आप पारंपरिक कपड़ों के साथ इसे पहनने जा रही हैं तो पारंपरिक मांगटीका चुनें, वहीं अगर आप पश्चिमी कपड़ों के साथ इसे पहनना चाहती हैं तो आधुनिक डिजाइन वाला मांगटीका बेहतर रहेगा।

रंगों का चयन सोच-समझकर करें

मांगटीका खरीदते समय रंगों का चयन भी अहम होता है। गोल्ड प्लेटिंग, ऑक्सीडाइज, स्टोन या् मोती आदि कई तरह के विकल्प उपलब्ध होते हैं।

अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा है तो गोल्ड प्लेटिंग या स्टोन मांगटीका चुनें क्योंकि ये आपकी त्वचा का निखार बढ़ाएंगे, वहीं अगर आपकी त्वचा का रंग हल्का है तो ऑक्सीजाइज या मोती रंग बेहतर रहेगा।

इसके अलावा अपने कपड़ों के रंगों के साथ मेल खाते हुए रंग भी चुन सकती हैं।

आकार पर दें ध्यान

मांगटीका का आकार भी महत्वपूर्ण होता है। आजकल बाजार में अलग-अलग आकार के मांगटीके उपलब्ध होते हैं जैसे कि फूल, चंद्रमा, सितारे आदि।

अगर आप रोजमर्रा की जिंदगी में इसे पहनने जा रही हैं तो छोटे आकार वाले मांगटीके चुनें जो आरामदायक हों और हर मौके पर पहने जा सकें, वहीं खास मौकों पर बड़े और भव्य डिजाइन वाले मांगटीके अच्छे लगते हैं।

इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए सही मांगटीका चुन सकती हैं।

बजट बनाएं

मांगटीका खरीदने से पहले अपना बजट तय कर लें ताकि आप बिना किसी तनाव के सही विकल्प चुन सकें। बाजार में महंगे और सस्ते दोनों प्रकार के मांगटीके मिलते हैं इसलिए अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें। इस तरह इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप आसानी से अपने लिए एक सुंदर और उपयुक्त मांगटीका चुन सकती हैं जो आपके पूरे लुक को खास बनाएगा। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना कुछ मिनट जरूर करें बर्पी एक्सरसाइज, मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

बर्पी एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो आपको बिना किसी उपकरण के फिट रख सकती है। यह एक पूरी शरीर की एक्सरसाइज है, जिसे करने से आपका शरीर मजबूत होता है और कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। इसे करने से न केवल आपका वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि आपकी सहनशक्ति भी बढ़ती है।

इस लेख में हम आपको बर्पीज के फायदे बताएंगे, जिससे आप इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित हो सकें।

वजन नियंत्रित करने में है सहायक

बर्पीज एक ऐसी एक्सरसाइज है, जो पूरे शरीर को प्रभावित करती है। इसे करने से कैलोरी बर्न होती है, जिससे वजन नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

रोजाना 10-15 मिनट बर्पीज करने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और शरीर की चर्बी घटती है। यह एक्सरसाइज खासतौर पर पेट की चर्बी कम करने में बहुत प्रभावी होती है।

इसके नियमित अभ्यास से आपका शरीर सुडौल होता है और आप फिट महसूस करते हैं।

सहनशक्ति बढ़ाने में है मददगार

बर्पीज करने से आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। इसे करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ती है, जिससे थकान कम होती है और ऊर्जा स्तर ऊंचा रहता है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करने में है सहायक

बर्पीज करते समय हाथों, पैरों और पेट की मांसपेशियां सक्रिय रहती हैं, जिससे ये मजबूत होती हैं।

इस एक्सरसाइज के दौरान शरीर के कई हिस्से एक साथ काम करते हैं, जिससे मांसपेशियों को संतुलित विकास मिलता है। नियमित रूप से बर्पीज करने से शरीर की ताकत और सहनशक्ति बढ़ती है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

बर्पीज एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है, जो दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है। इसे करने से रक्त प्रवाह बेहतर होता है और रक्तचाप नियंत्रित रहता है।

नियमित रूप से बर्पीज करने से दिल की धड़कन तेज होती है, जिससे दिल मजबूत होता है और फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

लचीलेपन को बढ़ावा देने में है सहायक

बर्पीज करते समय शरीर के कई हिस्से खिंचाव झेलते हैं, जिससे लचीलापन बढ़ता है। इससे चोट लगने की संभावना कम होती है और शरीर आसानी से हरकत कर पाता है।

यह एक्सरसाइज न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बनाती है, जिससे आप अधिक सक्रिय और ऊर्जावान महसूस करते हैं।

इसके नियमित अभ्यास से आपका शरीर सुडौल होता है और आप फिट महसूस करते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -84

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

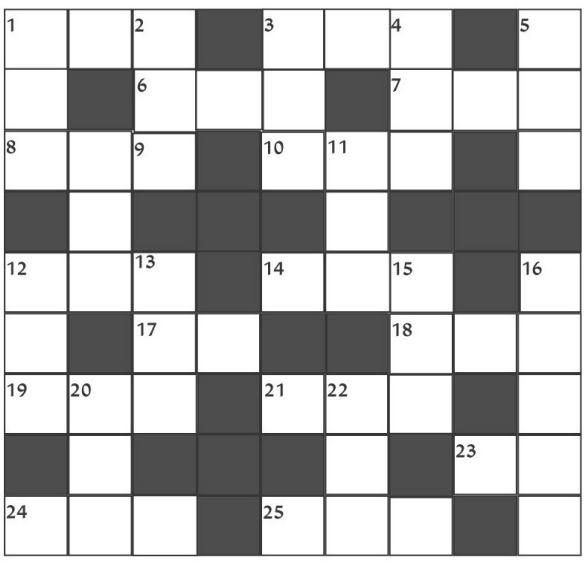

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 83 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

आयुष्मान खुराना ने अब भूषण कुमार से मिलाया हाथ

अभिनेता आयुष्मान खुराना साल 2023 में फिल्म ड्रीम गर्ल 2 में नजर आए थे। पिछले कुछ समय से वह हॉरर कॉमेडी फिल्म थामा को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिससे वह पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। आए दिन अभिनेता का नाम एक नई फिल्म से जुड़ता है। पिछले दिनों खबर आई थी कि वह सूरज बड़जात्या की रोमांटिक फिल्म से जुड़ गए हैं और अब खबर है कि भूषण कुमार की अगली कॉमेडी फिल्म उनके हाथ लग गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, आयुष्मान ने एक कॉमेडी फिल्म साइन कर ली है। इसका नाम फिलहाल सामने नहीं आया है। भूषण कुमार निर्माता जूनो चोपड़ा के साथ मिलकर इस फिल्म के प्रोडक्शन का काम संभालने वाले हैं। दोनों ने इससे पहले फिल्म पति पत्नी और वो में साथ काम किया था। अब भूषण और जूनो फिर साथ काम करने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह एक फैमिली कॉमेडी होगी, जिसका लुत्फ आप अपने परिवार के साथ बैठकर उठा सकेंगे।

फिल्म में आयुष्मान के नाम पर तो मोहर लग चुकी है, लेकिन बाकी कलाकारों का नाम फाइनल नहीं हुआ है। कास्टिंग पर काम जारी है। बताया जा रहा है कि फिल्म में कई नामचीन कलाकार अपनी मौजूदगी दर्ज ककराएंगे। सितंबर, 2025 में फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है। फिल्म के लिए निर्देशक का चयन करना बाकी है। खबर है कि कोई मशहूर निर्देशक इससे जुड़ सकता है। फिल्म की स्क्रिप्ट का काम पूरा हो चुका है। इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद आयुष्मान निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म पर जुटेंगे। सूरज और आयुष्मान दोनों ही एक-दूसरे के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। आयुष्मान फिल्म में प्रेम की भूमिका निभाने वाले हैं। नवंबर में वह फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। इस फैमिली ड्रामा फिल्म में आयुष्मान की जोड़ी अभिनेत्री शरवरी वाघ के साथ बनी है। फिल्म की शूटिंग 6 महीने में पूरी होने की उम्मीद है। इसमें एक मजेदार कहानी देखने को मिलेगी।

अब रियलिटी स्टार होने के साथ अभिनेत्री भी हूं मनीषा रानी

बिग बॉस ओटीटी 2' की फाइनलिस्ट मनीषा रानी ने एक्टिंग करियर की शुरुआत स्ट्रीमिंग टाइटल हाले दिल' से की है। मनीषा ने बताया कि उन्होंने इतने समय बाद एक्टिंग और स्क्रिप्टेड स्टोरीटेलिंग की दुनिया में हाथ आजमाने के बारे में क्यों सोचा। मनीषा बताती हैं, लोग अक्सर मुझसे पूछते थे कि मैं खुद को एक्टर क्यों नहीं कहती। और ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगा कि मैंने अभी तक यह हक नहीं कमाया है। अब जब मैंने एक प्रोजेक्ट में अच्छी तरह से मुख्य भूमिका निभाई है, तो मैं आत्मविश्वास से खुद को एक्टर कह सकती हूं और अपना बायो अपडेट कर सकती हूं। यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मनीषा ने हाले दिल' में इंदु का किरदार निभाया है, जो एक प्यारी, मासूम महिला है, जिसकी कहानी कई भारतीय महिलाओं के अनुभव को दर्शाती है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, इंदु मेरी तरह ही प्यारी, मजेदार और जिंदादिल है। उसकी कहानी दिल टूटने और जिंदगी में आगे बढ़ने के बारे में है। मनीषा का कहना है कि इस कहानी से कई भारतीय महिलाएं खुद को जोड़कर देखेंगी। उन्होंने कहा, उसकी मासूमियत, उसके बोलने का तरीका, खासकर गोरखपुर शैली की बोली, इंदु की नींव बन गई। अपने चुलबुले व्यक्तित्व के चलते, मनीषा को रोमांटिक सीन शूट करना थोड़ा मुश्किल लगा। उन्होंने कहा, जब भी हम रोमांटिक सीन शूट करते हैं तो मैं बेकाबू होकर हंसने लगती! अपना चेहरा सीधा रखना मुश्किल था। निर्देशक को मुझे बैठाकर सीन के पीछे की भावनाओं को समझाना पड़ा। उन्होंने बताया कि शो का एक मुख्य संदेश यह है कि कैसे महिलाएं शादी के बाद अपनी पहचान खो देती हैं। उन्होंने बताया, एक महिला न केवल अपना घर और परिवार छोड़ती है, बल्कि अपना नाम भी छोड़ती है। वह मिसेज शर्मा, मिसेज गुप्ता या मेरे मामले में मिसेज विवेक बन जाती है।

गोल्डन आउटफिट में सई मांजरेकर का बोल्ड अवतार

एक्ट्रेस सई मांजरेकर ने सोशल मीडिया पर एक बार फिर अपने बोल्ड और ग्लैमरस अंदाज़ से तहलका मचा दिया है। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह गोल्डन शिमरी आउटफिट में नज़र आ रही हैं। डीप नेकलाइन और बॉडी फिटिंग इस ड्रेस में सई बेहद हॉट और एलिगेंट लग रही हैं। सई मांजरेकर ने इन तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, इस टॉप के प्रति जुनूनी और अपने लुक की तारीफ में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन फोटोज़ में उनका कॉन्फिडेंस, एक्सप्रेशन और पोज़िंग कमाल की है। डार्क बैकग्राउंड के साथ उनका ये फोटोशूट काफी ग्लैमरस और क्लासी फील दे रहा है। इन तस्वीरों पर फैंस की जबरदस्त प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। किसी ने उन्हें हॉटनेस ओवरलोडेड कहा तो किसी ने स्टनिंग क्वीन। पोस्ट को कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं। यहां तक कि कई सेलेब्स ने भी उनके इस लुक की तारीफ की है। सई मांजरेकर का यह ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज़ एक बार फिर यह साबित करता है कि वह न्यू जेनरेशन की फैशन आइकन बनने की पूरी क्षमता रखती हैं। उनके फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट्स को लेकर भी एक्साइटेड हैं।(आरएनएस)

टाइगर श्रॉफ के साथ धमाल मचाएंगे निमृत कौर अहलूवालिया

एक्ट्रेस निमृत कौर अहलूवालिया हाल ही में फिल्म शौंकी सरदार में नजर आई थीं। इस फिल्म में दर्शकों ने उनके काम को काफी सराहा। अब वह बॉलीवुड के एक्शन हीरो टाइगर श्रॉफ के साथ एक नए प्रोजेक्ट में काम करने जा रही हैं।

एक करीबी सूत्र के मुताबिक, शौंकी सरदार की सफलता के बाद निमृत को बहुत सारे नए प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। लेकिन उन्होंने अलग स्क्रिप्ट की वजह से इस प्रोजेक्ट को चुना। उन्हें लगा कि टाइगर श्रॉफ के साथ उनकी जोड़ी पर्दे पर दर्शकों के लिए एक नई तरह की केमिस्ट्री लाएगी।

सूत्र ने बताया कि एक्ट्रेस निमृत इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा, निमृत इस समय अपने करियर को लेकर बहुत खुश और आभारी हैं। टाइगर और निमृत की जोड़ी बिल्कुल नई है, और यही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खासियत है। इस प्रोजेक्ट में दमदार एंटरटेनमेंट और नई ताजगी दोनों का मेल है, जो दर्शकों को जरूर पसंद आएगा।

इस प्रोजेक्ट से जुड़ी जानकारी अभी सीक्रेट रखी गई है, लेकिन उम्मीद है कि मेकर्स जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा करेंगे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो टाइगर को पिछली बार फिल्म सिंघम अगेन में देखा गया था। उन्होंने एसीपी सत्या का किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, अक्षय कुमार जैसे सितारे नजर आए थे। फिलहाल, वह अपनी आने वाली फिल्म बागी 4 की तैयारी में जुटे हैं, जिसे डायरेक्टर ए. हर्षा बना रहे हैं। इस फिल्म में उनके अलावा, संजय दत्त, सोनम बाजवा और हरनाज संधू अहम किरदार में नजर आएंगे। बागी 4 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वहीं बात करें निमृत की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म शौंकी सरदार की , तो इसमें निमृत के अलावा, गुरु रंधावा, बब्बू मान, सुनीता धीर, हशनीन चौहान और धीरज कुमार भी अहम किरदार में नजर आए।

इस फिल्म का निर्देशन धीरेज केदारनाथ रत्तन ने किया। वहीं इसे ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बटौली और हरजोत सिंह ने मिलकर प्रोड्यूस किया।

फिल्म को जी स्टूडियोज और बॉस म्यूजिक रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया। शौंकी सरदार 16 मई को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।(आरएनएस)

मेरी गुनगुनाहट से ही एआर रहमान ने बना लिया था पूरा गाना: जोनिता गांधी

प्लेबैक सिंगर जोनिता गांधी ने ऑस्कर और ग्रैमी विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान के साथ काम करने के अनुभव को के साथ साझा किया। सिंगर ने बताया कि एक बार उन्होंने रहमान के एक गाने के लिए रिकॉर्डिंग से पहले केवल रिहर्सल के तौर पर कुछ पंक्तियां गुनगुनाई थीं। लेकिन यह साधारण-सी गुनगुनाहट ही रहमान को इतनी पसंद आई कि उन्होंने उसी को असली गाने में शामिल कर लिया।

जोनिता गांधी ने से बात करते हुए बताया, मैंने उनके साथ कुछ ऐसे गाने पर काम किया है, जिन्हें पहले से ही किसी गायक ने गाया हुआ था। ऐसे में मुझे उन गानों में बस अपने अंदाज में गाना होता था। यह काम करने का सबसे सीधा तरीका होता है। लेकिन जब गाने को बनाने की बात आती थी, तो कुछ चीजें अव्यवस्थित होती थीं।

मजेदार किस्सा बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे याद है कि जब फिल्म हाईवे का म्यूजिक रिलीज हो रहा था, तो उन्होंने कहां हूं मैं गाना गाया था। लेकिन बाद में जब एल्बम आई, तो मुझे पता चला कि एक और गाने में मेरा नाम दिया गया है, जबकि वह गाना मैंने गाया ही नहीं था।

जोनिता ने बताया कि इससे वह थोड़ी परेशान और उलझन में आ गईं। उन्हें लगता है कि कहीं गलती से उनका नाम तो नहीं जोड़ दिया गया या कोई गलतफहमी तो नहीं हुई।

जोनिता ने आगे कहा, जब मैंने एल्बम की लिस्ट देखी, तो उसमें एक और गाना था- इम्प्लोसिव साइलेंस, और उसमें सिंगर के तौर पर नाम जोनिता गांधी लिखा था। मैं हैरान रह गईं। मैंने टीम से कहा, यह मैं ही हूं, लेकिन मैंने यह गाना नहीं गाया है। मैंने सिर्फ कहां हूं मैं गाना रिकॉर्ड किया था। फिर टीम ने मुझे बताया कि इस गाने में उन्होंने मेरी आवाज का इस्तेमाल किया है, वह असल में उसी गाने की रिकॉर्डिंग से ली गई है जब मैं कहां हूं मैं की धुन सीख रही थी।

उन्होंने आगे बताया, मैं उस समय सिर्फ गुनगुना रही थी, लेकिन ए.आर. रहमान ने उसी रिकॉर्डिंग से एक नया गाना बना दिया। रहमान के साथ ऐसा अक्सर होता है, वह एकदम अचानक किसी चीज को लेकर कुछ भी बना सकते हैं। यही उनकी रचनात्मकता की खासियत है।

भारत में तकनीकी वस्त्र का बढ़ता दायरा: एनटीटीएम और पीएलआई ने बदली तस्वीर

गिरिराज सिंह

कुछ साल पहले, तकनीकी वस्त्रों को एक सीमित खंड के रूप में देखा जाता था। इसका दायरा सीमित था, इसमें कम निवेश किया जाता था और आयात पर यह बहुत अधिक निर्भर था लेकिन आज, यह भारत के औद्योगिक परिवर्तन के केंद्र में हैं। यह बदलाव आकस्मिक नहीं है। यह माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के अनुरूप अपनाई गई रणनीति, नीतिगत दूरदर्शिता और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का परिणाम है। चाहे कोविड-19 संकट के दौरान पीपीई उत्पादन को बढ़ाना हो, स्वदेशी सुरक्षात्मक गियर के साथ सशस्त्र बलों को सुसज्जित करना हो या ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई के लिए महत्वपूर्ण सामग्रियों की आपूर्ति करना हो, तकनीकी वस्त्रों ने राष्ट्रीय तैयारियों और औद्योगिक प्रगति के कारक के रूप में अपनी भूमिका का प्रदर्शन किया है।

श्रेष्ठ से रणनीतिक तक- नीतिगत अनिवार्यता

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) की समीक्षा बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण क्षण तब आया, जब मुझे इसरो के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. एस. सोमनाथ से बातचीत करने का अवसर मिला। उन्होंने कार्बन फाइबर, अल्ट्रा-हाई मॉलिक्यूलर वेट पॉलीइथिलीन और नायलॉन 66 जैसे उच्च प्रदर्शन वाले एयरोस्पेस अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक सामग्री की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित किया। उनका संदेश स्पष्ट था- भारत को इस क्षेत्र में दूसरों पर निर्भरता को कम करने के लिए और हमारी वैज्ञानिक उन्नति के अगले स्तर के मार्ग को प्रशस्त करने के लिए इन क्षेत्रों में स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण करना चाहिए। इस बातचीत के दौरान प्रयोगशालाओं से लेकर लॉन्चपैड तक भारत की विकास गाथा में तकनीकी वस्त्रों के रणनीतिक महत्व को भी रेखांकित किया गया।

लैब से लेकर लॉन्चपैड व युद्ध के मैदान तक

रक्षा क्षेत्र ने भी इस परिवर्तन के रणनीतिक मूल्य को महसूस करना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए हाल ही में हमारे सशस्त्र बलों द्वारा संचालित ऑपरेशन सिंदूर को लें, जहां सुरक्षात्मक कपड़ों और बैलिस्टिक गियर से लेकर छलावरण वाले कपड़ों और रासायनिक-जैविक सुरक्षा सूट तक तकनीकी वस्त्रों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चूंकि हमने घरेलू क्षमता निर्माण में जल्दी निवेश करना शुरू कर दिया था, इसलिए आज हम अपने रक्षा क्षेत्र को न केवल जनशक्ति के साथ, बल्कि वैश्विक मानकों को पूरा करने वाली सामग्री के साथ मदद पहुंचाने में सक्षम हैं, जिसे भारतीय धरती पर विकसित और निर्मित किया गया है।

तकनीकी वस्त्रों को समझें

तकनीकी वस्त्र वे विशेष प्रकार के कपड़े होते हैं, जो सौंदर्य की बजाय कार्यक्षमता के लिए बनाए जाते हैं जिन्हें अक्सर जीवन रक्षक या महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के तहत कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इनमें बुलेट-प्रतिरोधी जैकेट, अग्निरोधी वर्दी, सर्जिकल गाउन, किसानों के लिए एंटी-बैक्टीरियल शीट, सड़क-सुदृढ़ीकरण जियो-ग्रिड और बहुत कुछ शामिल हैं। यह क्षेत्र जियोटेक, मेडिटेक, प्रोटेक, एग्रोटेक और बिल्डटेक सहित 12 प्रमुख खंडों में फैला हुआ है। 2024 तक, भारत के तकनीकी वस्त्र बाजार का मूल्य 26 बिलियन अमरीकी डॉलर था। हम 2०×० तक 4०-45 बिलियन अमरीकी डॉलर को छूने की राह पर हैं, जो 1०-12 प्रतिशत की आकर्षक वार्षिक दर से बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर तकनीकी वस्त्र, कुल कपड़ा उत्पादन का लगभग 27 प्रतिशत है जबकि भारत में यह आंकड़ा केवल 11 प्रतिशत है। हालांकि सही दिशा में प्रयास करने से हम इस अंतर को तेज़ी से कम कर रहे हैं।

विकास को गति देने के लिए प्रमुख सरकारी पहल

इस क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को उजागर करने के लिए, भारत सरकार ने दो प्रमुख पहलों- राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) और वस्त्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के माध्यम से कुल 12,००० करोड़ रुपए का परिव्यय किया है। ये कार्यक्रम अलग-अलग काम करने के बजाय, साथ मिलकर, भारत को तकनीकी वस्त्रों के एक वैश्विक केंद्र के रूप में बदल रहे हैं। एनटीटीएम के तहत, हम अनुसंधान और नवाचार में केंद्रित निवेश को बढ़ावा दे रहे हैं। 51० करोड़ रुपए की सरकारी मदद के साथ कुल 168 उच्च-प्रभाव वाली परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें से कई पहले ही प्रयोगशाला से बाजार में आ चुकी हैं जिनमें फायर एंट्री सूट का विकास और भू-वस्त्रों के लिए परिपत्र बुनाई तकनीक शामिल हैं।

एनटीटीएम- नवाचार को बढ़ावा देना और कौशल प्रदान करना

आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण से प्रेरित, राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन नवाचार और कौशल विकास के लिए मजबूत नींव रख रहा है। वहीं 17 स्टार्टअप को ग्रेट (तकनीकी वस्त्रों में महत्वाकांक्षी नवप्रवर्तकों के लिए अनुसंधान और उद्यमिता के लिए अनुदान) योजना के तहत सहायता मिली है। 2,००० से अधिक छात्र 41 शीर्ष संस्थानों में तकनीकी वस्त्र पाठ्यक्रम कर रहे हैं जो 16 उद्योग-आधारित कौशल मॉड्यूल द्वारा समर्थित हैं और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल को आकार दे रहे हैं।

मांग पैदा करना, वैश्विक उपस्थिति को बढ़ावा देना

मुख्य स्तंभ के रूप में बाजार विकास के साथ, एनटीटीएम घरेलू स्तर पर अपनाने के साथ-साथ वैश्विक पहुंच का भी विस्तार कर रहा है। स्वास्थ्य सेवा, कृषि, बुनियादी ढांचे और रक्षा जैसे क्षेत्रों में 7× तकनीकी वस्त्र सामग्रियों के अनिवार्य उपयोग ने उन्हें सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में एकीकृत किया है। भारत टेक्स 2025 सहित ×० से अधिक अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों ने भारत की स्थिति को मजबूती दी है। इस बीच, कुल मिलाकर मानव निर्मित कपड़ा निर्यात 2०2०-21 में 4.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2०24-25 में 5.× बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया। वहीं आयात में कमी से बढ़ती आत्मनिर्भरता और प्रतिस्पर्धात्मकता का संकेत मिलता है।

प्रदर्शन को नीति से जोड़ना- पीएलआई ढांचा

निजी क्षेत्र में, प्रदर्शन को पुरस्कृत किया जाता है। जो लोग लक्ष्य से अधिक प्रदर्शन करते हैं, उन्हें आगे बढ़ने और देश के रोजगार परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यही सिद्धांत अब उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के माध्यम से हमारी औद्योगिक नीति को दर्शाता है। यानी प्रोत्साहन अब सब्सिडी नहीं, बल्कि प्रदर्शन से जुड़े पुरस्कार हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए, विनिर्माण को एक मिशन की तरह माना जाना चाहिए, जिसमें स्पष्ट मीट्रिक, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और विकासोन्मुख मानसिकता हो।

एनटीटीएम और पीएलआई साथ मिलकर एक दोहरे इंजन का काम करते हैं- जहां एनटीटीएम अनुसंधान, शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से नींव रखता है, पीएलआई योजना विकास को गति दे रही है। योजना के तहत चयनित 8० कंपनियों में से आधे से अधिक (ठीक 56.75 प्रतिशत) तकनीकी वस्त्र के क्षेत्र में काम कर रही हैं। यह उद्योग के आत्मविश्वास का एक मजबूत संकेतक है। इस समर्थन की बदौलत, हमने 7,×4× करोड़ रुपए का नया निवेश देखा है जिससे 4,648 करोड़ रुपए का प्रभावशाली कारोबार और 5×8 करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है। सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए, कपड़ा मंत्रालय ने सक्रिय कदम उठाए हैं। हमने तीन मौकों यानी जून 2०2×, अक्टूबर 2०24 और फरवरी 2०25 पर तकनीकी वस्त्रों के लिए एचएसएन कोड जारी किए और सीमा शुल्क और अनुपालन को स्पष्ट करने के लिए अक्सर पूछे जाने वाले सवाल भी जारी किए। फरवरी 2०25 में हुए एक महत्वपूर्ण संशोधन के कारण कुल 54 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन संवितरण समय से पहले संभव हुआ।

हमारी महत्वाकांक्षाएं, घरेलू सीमाओं से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। इन क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर, यह योजना भारत को चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे अग्रणी वैश्विक कपड़ा निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार कर रही है।

अब तक का प्रभाव

हमारी संयुक्त पहलों का असर पहले से ही दिखाई दे रहा है। तकनीकी वस्त्रों के लिए भारत का घरेलू बाजार 1० प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2०24-25 में निर्यात 2.9 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। मार्च 2०25 तक, हमने 5,218 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है और 8,5०० से अधिक लोगों के लिए रोजगार सृजित किया है। अकेले तकनीकी वस्त्रों ने ×,242 करोड़ रुपए का कारोबार किया है जिसमें 217 करोड़ रुपए का निर्यात शामिल है। ये आंकड़े सिर्फ संख्याएं नहीं हैं, यह इस बात का प्रमाण है कि हमारी रणनीति काम कर रही है।

सतत् और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर

स्थिरता और चक्रीयता भारत की तकनीकी वस्त्र रणनीति के केंद्र में हैं। जूट, भांग, रेमी, कपास, रेशम और यहां तक कि मिल्कवीड जैसे प्राकृतिक रेशों को उच्च-प्रदर्शन अनुप्रयोगों के लिए फिर से तैयार किया जा रहा है, जो पर्यावरण को लाभ पहुंचाते हुए हमारे किसानों और उद्योगों को सशक्त बना रहे हैं। प्रकृति-आधारित समाधान, शक्तिशाली उपाय के रूप में उभर रहे हैं जो पारंपरिक रेशों के साथ नवाचार को मिलाते हैं। उदाहरण के लिए, कश्मीरी पश्मीना से निकलने वाले कचरे का उपयोग अब इंसुलेशन बनाने में किया जाता है, कपास और रेशम का उपयोग घाव की ड्रेसिंग और ऊतक इंजीनियरिंग में किया जा रहा है और रेशम का उपयोग ×डी प्रिंटिंग में किया जा रहा है। जूट बायोडिग्रेडेबल मेडिकल इम्प्लांट, ऑटोमोबाइल के लिए हल्के कंपोजिट फाइबर, पर्यावरण के अनुकूल निर्माण सामग्री और टिकाऊ फर्नीचर बनाने में सक्षम है। साथ ही, हम घरेलू मशीनरी विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके तहत 68,००० करोड़ रुपए मूल्य के सामान के उत्पादन के लिए 25 परियोजनाएं चल रही हैं। इनसे निर्यात में 6,7०० करोड़ रुपए का योगदान मिलने की उम्मीद है जो वास्तव में आत्मनिर्भर और टिकाऊ औद्योगिक भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। केंद्रीय कपड़ा मंत्री के रूप में, मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि भारत न केवल वैश्विक तकनीकी वस्त्र आंदोलन में भाग ले रहा है, हम इसका नेतृत्व करने के लिए खुद को तैयार भी कर रहे हैं। एनटीटीएम और पीएलआई की संयुक्त शक्ति के साथ, हम नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, रोजगार पैदा कर रहे हैं, निर्यात को मजबूत कर रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती ला रहे हैं। हमारे रक्षा और कृषि क्षेत्रों को मदद देने से लेकर बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण तक, तकनीकी वस्त्र भारत के लिए एक नई औद्योगिक पहचान को आकार दे रहे हैं और यह केवल एक शुरुआत है।

लेखक केंद्रीय कपड़ा मंत्री हैं

सू- दोकू क्र.84

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.83का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

राक्षस से भिड़ती दिखीं काजोल

काफी समय से अभिनेत्री काजोल फिल्म मां को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। उनकी यह फिल्म 27 जून, 2०25 (आज) को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

पिछले दिनों निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना काली शक्ति जारी कर दिया है, जिसे उषा मिन्नी और सामी उत्थुप ने मिलकर गाया है।

गाने में काजोल जबरदस्त डांस करती दिख रही हैं। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए एक राक्षस से भिड़ती नजर आ रही हैं।

इस फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है, जो छोरी और छोरी 2 जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। मां को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे ने मिलकर बनाया है।

काजोल के साथ इस फिल्म में बाल कलाकार खीरिन शर्मा नजर आएंगी, जो इसमें उनकी बेटी बनी हैं।

फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी जैसे कलाकार भी अहम किरदार में नजर आएंगे।

इस फिल्म का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

धूमधाम से निकाली भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा

संवाददाता

देहरादून। ढोल नगाडों के साथ धूमधाम से भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान जय हरि के नारों से वातावरण भक्तीमय हो गया।

आज यहां मित्रलोक कालोनी से भगवान जगन्नाथ की शोभायात्रा का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान मेयर सौरभ थपलियाल, कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, प्रमोद कुमार गुप्ता, पार्षद संगीता गुप्ता व मुख्य पुजारी सतपती ने पूजा अर्चना कर भगवान जगन्नाथ की शोभा यात्रा का शुभारम्भ किया। मित्र लोक कालोनी से चकराता रोड, बिन्दाल पुल, टैगोर विला होते हुए शोभायात्रा घंटाघर चौक पहुंची। इस दौरान भगवान जगन्नाथ व जय हरि के नारों से वातावरण भक्तीमय हो गया। शोभायात्रा में बडी संख्या में महिला-पुरूष व बच्चे शामिल रहे। शोभायात्रा घंटाघर चौक से पल्टन बाजार होते हुए हनुमान चौक, भण्डारी चौक होते हुए तिलक रोड से बिन्दाल पुल से चकराता रोड होते हुए वापस मित्र लोक कालोनी पहुंचकर शोभायात्रा का समापन हुआ।

कुख्यात जहरखुरानी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। यात्रियों को झांसे में लेकर उनसे लूटपाट अथवा चोरी करने वाले कुख्यात जहरखुरानी को जीआरपी पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। जिसके पास से एक धारदार चाकू भी बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना जीआरपी काठगोदाम पुलिस एक सूचना के बाद रेलवे स्टेशन काठगोदाम पर चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को प्लेटफार्म संख्या- 1 पर एक संदिग्ध व्यक्ति घूमता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक धारदार चाकू बरामद हुआ। पूछताछ में उसने अपना नाम अजय पाल पुत्र भगवान दास निवासी बिहारीपुर थाना दातागंज जिला बदायूं उत्तर प्रदेश बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी के विषय में जानकारी ली गयी तो पता चला कि वह कक्षा चार पास शातिर किस्म का अपराधी है जो कि वर्ष 2015 में थाना जीआरपी रामपुर का हिस्ट्रीशीटर भी है जिसका थाना जीआरपी रामपुर में जहर खुरानी में गैंग चार्ट भी बना हुआ है उक्त शातिर अपराधी द्वारा जहर खुरानी चोरी लूट का प्रयास एनडीपीएस आदि अपराध किए गये हैं।

दो साल से फरार दुष्कर्म के आरोपी को एसटीएफ ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने दो सालों से फरार दुष्कर्म के आरोपी दस हजार के ईनामी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तराखंड एसटीएफ की टीम ने एक बड़ी सफलता अर्जित करते हुए एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है जो पिछले दो वर्षों से पुलिस को लगातार चकमा देकर फरार चल रहा था। 08 फरवरी 2023 को थाना बैजनाथ, जनपद बागेश्वर में आरोपी महेंद्र सिंह उर्फ पान सिंह पुत्र मन बहादुर, निवासी ग्राम धामसेना चौरासो, गरुड़, थाना बैजनाथ, जिला बागेश्वर के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया था आरोपी घटना के दिन से फरार चल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु जनपद पुलिस स्तर से काफी प्रयास किए गए थे लेकिन हर बार यह अपराधी पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। जिस पर अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक स्तर से आरोपी की गिरफ्तारी पर 50 हजार रूपये का नकद पुरस्कार घोषित किया गया था। घोषित ईनामियों के विरुद्ध वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ द्वारा मुहिम चला रखी है जिस पर एसटीएफ टीम द्वारा इस आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु भिन्न भिन्न राज्यों में दबिशें दी जा रही थी एसटीएफ के लगातार प्रयासों के बाद एसटीएफ टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस के आधार पर आरोपी का पता लगाकर उसे 26 जून 2025 को निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, नई दिल्ली के पास से गिरफ्तार कर लिया। एसटीएफ उत्तराखंड द्वारा अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत भुल्लर के नेतृत्व में एसटीएफ की यह कार्रवाई कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह अभियान भविष्य में भी इसी तरह जारी रहेगा।

सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनाया जायः सीएम धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह ने कहा कि सरकारी भूमि में अतिक्रमण न हो इसके लिए मजबूत मैकेनिज्म बनाया जाय। सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण रोकने और अवैध बिक्री को रोकने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए।

मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि से अवैध अतिक्रमण को हटाने की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे हटाए जाने की कार्ययोजना बनाए जाने के लिए निर्देश जारी किए जा चुके हैं। इसके अनुपालन के लिए जनपद स्तर पर प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जाय। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सिंचाई, लोक निर्माण, वन विभाग, राजस्व विभाग की टीम बनाकर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाए जाय। उन्होंने राज्य के मैदानी क्षेत्रों में अतिक्रमण के मामलों को देखने के लिए शासन स्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने के निर्देश

प्रमुख सचिव को दिए। उन्होंने हरिद्वार में गंगा किनारे, रुद्रपुर में कल्याणी नदी

गंगा सहित अन्य नदियों किनारे अतिक्रमण को प्राथमिकता से हटाएं

किनारे और नैनीताल जिले में कोसी आदि नदियों के किनारों पर भी अवैध अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने सरकारी भूमि को कब्जाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने और कूट रचना कर जमीनों के फर्जी दस्तावेज बनाए जाने के मामलों पर भी प्रभावी रोक लगाने के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री धामी ने एडीजी श्री ए.पी.अंशुमान को बाहरी लोगों के सत्यापन के लिए नियम और कड़े किए जाने की अपेक्षा जताई। एडीजी ने उन्हें अवगत कराया कि सत्यापन के लिए 18 बिंदुओं पर आख्या मांगी जा रही है,जिसका डेटा राज्य स्तर पर भी संकलित किया जा रहा है।

बैठक में प्रमुख सचिव आर के सुधांशु, सचिव एस एन पांडेय, एडीजी ए.पी.अंशुमान, विशेष सचिव डा. पराग मधुकर धकाते, अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद रहे।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी बुलेट मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शंकरपुर निवासी आशीष पांडय ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी बुलेट मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद बाहर आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

लाखों की चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से दो लाख रूपये से अधिक की चरस बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एक सूचना के बाद एसओजी, कोतवाली धारचुला पुलिस द्वारा क्षेत्र में एक संयुक्त चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। चैकिंग के दौरान टीम को चौकी गलाती के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रूकने का इशारा किया गया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1 किलो 338 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम हरीश धामी पुत्र देव सिंह निवासी धारचुला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

डीएम के निर्देशन में भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी पर एक्शन जारी

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशन में भिक्षावृत्ति व बाल मजदूरी पर एक्शन जारी रखते हुए जिला प्रशासन ने अभी तक 265 से अधिक बच्चों को पुर्नवासित किया है।

आज यहां मुख्यमंत्री की प्रेरणा से जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशन में भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू करने के लिए लगातार अभियान जारी है। जिला प्रशासन की टीम ने पिछले दो दिनों में पेट्रोलिंग के दौरान पटेल नगर, राजा रोड, आईएसबीटी, तहसील चौक और डोईवाला से भिक्षावृत्ति में लिप्त 06 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इसमें 05 बालक और 01 बालिका शामिल है। प्रशासन की टीम अब तक 265 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति, कूडा बीनने और बाल मजदूरी से रेस्क्यू कर चुकी है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने शुरू से ही भिक्षावृत्ति और बाल मजदूरी पर रोक लगाने हेतु निरंतर सख्त निर्णय लिए है। जिसके तहत प्रमुख चौक चौराहों

❑अब तक 265 से अधिक बच्चों को किया गया पुनर्वासित

पर होमगार्ड की तैनाती और डेडिकेटेड वाहन के साथ सक्रिय सचल टीमें शहर में निरंतर पेट्रोलिंग कर रही है। जिलाधिकारी के निर्देशन में चाइल्ड हेल्पलाइन, बाल कल्याण समिति और प्रोबेशन टीम द्वारा भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू किया जा रहा है। रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाता है और फिर उन्हें आश्रय और शिक्षा प्रदान कर पुनर्वासित किया जाता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी मीना बिष्ट ने बताया कि 25 जून को पटेल नगर, राजा रोड, आईएसबीटी और तहसील चौक में पेट्रोलिंग के दौरान भिक्षावृत्ति में लिप्त 01 बालिका और 04 बालकों को रेस्क्यू किया गया। वहीं 26 जून को डोईवाला क्षेत्र में भिक्षावृत्ति व कूडा बीनने में लिप्त 01 बालक को रेस्क्यू किया गया। बच्चों का जीडी व मेडिकल करवा कर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इनमें से 02 बालक व 01 बालिका को राजकीय शिशु सदन और 03 बालकों को समर्पण (खुला आश्रय) में रखवाया गया है। जिला प्रशासन बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने के लिए ऐसे बच्चों को रेस्क्यू कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रहा है। भिक्षावृत्ति में लिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर निर्धारित प्रक्रिया अपनाते हुए आधुनिक इंटेंसिव केयर सेन्टर में मांइड रिफार्म हेतु रखा जाता है। जहां विशेषज्ञ द्वारा उनको संगीत, खेल, अन्य गतिविधि, कंप्यूटर के ज्ञान की आधुनिक तकनीक की जानकारी के साथ ही शिक्षा प्रदान की जाती है।

पेयजल परियोजनाओं के कार्यो में लाएं तेजी: मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना के कार्यों में और तेजी लाई जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि जमरानी बांध बहुद्देशीय परियोजना और सौंग बांध पेयजल परियोजना के कार्यों में और तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं के तहत होने वाले कार्यों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। जमरानी बांध परियोजना के कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य जून 2029 तक रखा गया है, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इसे दिसम्बर 2028 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। सौंग बांध परियोजना को भी निर्धारित अवधि मार्च 2030 से पहले पूर्ण करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये हैं। लगभग 3808 करोड़ रूपये लागत की इस योजना के तहत 150.6 मीटर ऊंचे बांध का निर्माण, 42.92 किलोमीटर लम्बी नहर का पुनर्निर्माण एवं 21.25 किलो मीटर लंबी नई नहर का निर्माण कार्य किया जाना है। इस परियोजना के तहत हल्द्वानी शहर एवं उसके समीपवर्ती क्षेत्रों की भविष्य की लगभग 10.50 लाख आबादी के लिए 117 एम.एल.डी. पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। इस परियोजना में बनने वाली 09 किमी. लम्बी झील से एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित होगा तथा लगभग 57 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता का सृजन होगा। सौध नदी परियोजना लगभग 2492 करोड़ रूपये लागत की इस योजना के तहत 130.60 मीटर ऊंचे बांध का निर्माण एवं 1.5 मीटर व्यास की 14.70 किमी. लम्बी जल वहन प्रणाली का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा 85 किमी. जल वितरण प्रणाली एवं 150 एम.एल.डी. जल शोधन संयंत्र का निर्माण भी इस परियोजना के तहत किया जाना है। इससे भविष्य में देहरादून शहर एवं उपनगरीय क्षेत्रों की वर्ष 2053 तक अनुमानित लगभग 10.65 लाख की जनसंख्या के लिए 150 एम.एल.डी. ग्रेविटी से पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था की जाएगी। इस बांध निर्माण से बनने वाली 3.5 किमी. लम्बी झील को एक नया टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा।

बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, सचिव एस.एन.पाण्डेय, युगल किशोर पंत, अपर पुलिस महानिदेशक ए.पी. अंशुमन एवं अपर सचिव बंशीधर तिवारी मौजूद थे।

-आबकारी टीम की आईडीपीएल के खंडहर में छापेमारी-

55 लीटर कच्ची शराब सहित एक गिरफ्तार

❑6 ड्रमों में रखा 100 किलोग्राम लहन किया नष्ट

हमारे संवाददाता

देहरादून। कच्ची शराब तस्करी के कारोबार पर बड़ी कार्यवाही करते हुए आबकारी विभाग की टीम ने आईडीपीएल के खंण्डर में छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 55 लीटर कच्ची शराब, ड्रमों में रखा 100 किलोग्राम लहन बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती रात आबकारी टीम ऋषिकेश को आईडीपीएल की खंडहर बनी बिल्डिंग के कमरे में कच्ची शराब छिपा कर रखने की सूचना प्राप्त हुई। आबकारी निरीक्षक प्रेरणा बिष्ट ने देर रात ही टीम तैयार कर आईडीपीएल की खंडहर बनी बिल्डिंग में छापेमारी शुरू की। छापेमारी में कच्ची शराब जो 20 प्लास्टिक के पाउच में एवं तीन प्लास्टिक की जरीकेन में तैयार कर भरी हुई कुल 55 लीटर बरामद की गई, साथ ही कमरे के साथ में उगी हुई झाड़ियों के नीचे 6 ड्रम जमीन के नीचे गड़ा कर रखे मिले, जिनमें लगभग 100 किग्रा. लहन तैयार की गई थी। जिसको मौके पर नष्ट किया गया है। इस दौरान पकड़े गए आरोपी का नाम गुरदेव सिंह उर्फ छागां पुत्र मलकीत सिंह निवासी ग्राम गुमानीवाला ऋषिकेश बताया जा रहा है। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

मध्य प्रदेश के सीएम के काफिले की 19 गाड़ियों में डीजल की जगह पानी डाला

भोपाल (कासं)। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में मुख्यमंत्री मोहन यादव के काफिले की 19 गाड़ियों में डीजल की जगह पानी भर दिए जाने का बड़ा मामला सामने आया है। मध्य प्रदेश के रतलाम में आज एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव होना है। इसमें शामिल होने आ रहे मुख्यमंत्री मोहन यादव के काफिले में डीजल की जगह पानी भरने का मामला सामने आया है। काफिले के लगभग 19 वाहन गुरुवार की रात डीजल भरवाने के लिए ढोसी गांव के पास भारत पेट्रोल पंप पर गए थे। वहां डीजल भरवाने के बाद सभी वाहन कुछ दूरी तय करने के बाद अचानक चलते-चलते बंद हो गए। सभी वाहनों से डीजल खाली करवाया गया तो उसमें पानी निकला। इससे हड़कंप मच गया। पेट्रोल पंप पर वाहनों के टैंक खोलने से गैरेज जैसे हालात हो गए। इसके साथ ही कुछ अन्य ट्रक ड्राइवर भी यही शिकायत लेकर पेट्रोल पंप पहुंचे। दरअसल, शुक्रवार को रतलाम में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित हो रही है, जिसमें सीएम डॉ. मोहन यादव भी शामिल होना था। सीएम के काफिले के लिए इंदौर से करीब 19 इनोवा कारें बुलवाई गई थीं। इन्हीं कारों में गुरुवार रात पेट्रोल पंप से डीजल भरवाने के बाद कुछ दूरी पर जाकर एक के बाद एक बंद हो गईं। इसके बाद प्रशासन ने पेट्रोल पंप को सील कर दिया। इंदौर से दूसरी गाड़ियों का इंतजाम किया गया।

हरक से ईडी ने की लंबी पूछताछ

सीबीआई के साथ ईडी ने भी कसा शिकंजा, टाइगर सफारी घोटाले में कार्यवाही तेज

विशेष संवाददाता

देहरादून। बहु चर्चित कॉर्बेट पार्क के पाखरो रेंज में जंगल सफारी निर्माण में हुए 215 करोड़ के कथित घोटाले में आज ईडी ने तत्कालीन वन मंत्री डॉ हरक सिंह रावत को अपने दून स्थित कार्यालय में बुलाकर लंबी पूछताछ की गई है।

उल्लेखनीय है कि नेशनल कॉर्बेट पार्क के कालागढ़ डिवीजन के पाखरो रेंज में 106 हेक्टेयर में जंगल सफारी का निर्माण किया जाना था जिस पर बिना वित्तीय स्वीकृति के 2019 में तत्कालीन डीएफओ और वन रेंजर की मिली भगत से काम शुरू करा दिया गया था। जिसमें अनियमिताओं की बात सामने आने पर एनटीसीए ने जांच की तो उसमें अनेक अनियमितताएं सामने आई। मामले का खुलासा होने पर पहले सरकार द्वारा इसकी जांच हल्द्वानी विजिलेंस द्वारा कराने के आदेश दिए गए थे।

2019 में हाई कोर्ट के आदेश के बाद इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई जिसने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। बिना अनुमति के इस सफारी निर्माण के लिए हजारों की संख्या में पेड़ों का कटान किया गया था। सीबीआई के साथ इस मामले के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े होने के कारण ईडी भी इसकी जांच कर रही है तथा पूर्व डीएफओ किशन चंद, वन रेंजर ब्रज बिहारी शर्मा पर एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

जंगल सफारी के निर्माण में हुए कथित 215 करोड़ के इस गोलमोल में तत्कालीन वन मंत्री की संलिप्तता उजागर होने के कारण सीबीआई की चार्ज शीट में तत्कालीन वन मंत्री डा. हरक सिंह का भी नाम शामिल है। जिनसे ईडी पूर्व में भी पूछताछ कर चुकी है। आज सुबह डॉक्टर हरक सिंह 10.45 बजे ईडी के दफ्तर पहुंचे थे जहां समाचार लिखे जाने तक उनसे पूछताछ जारी थी।

हिंदी के मुद्दे पर उद्धव व राज ठाकरे एक साथ करेंगे आंदोलन

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना यूबीटी नेता उद्धव ठाकरे और उनके भाई राज ठाकरे हिंदी के मुद्दे पर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों नेता 5 जुलाई को मुंबई में महाराष्ट्रवासियों पर हिंदी थोपने के खिलाफ संयुक्त प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं। शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने श्एक्सश पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की एक साथ दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने लिखा कि महाराष्ट्र के स्कूलों में अनिवार्य हिंदी के खिलाफ एक एकीकृत मार्च होगा। ठाकरे ब्रांड हैं!

हाल ही में महाराष्ट्र सरकार ने एक आदेश जारी कर कहा था कि मराठी

और इंग्लिश मीडियम स्कूलों में कक्षा 1 से 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। हालांकि, सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि हिंदी अनिवार्य नहीं होगी, और किसी अन्य भारतीय भाषा को पढ़ने के लिए कम से कम 20 छात्रों की सहमति जरूरी होगी। नीति का विरोध करते हुए राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि हम किसी भी भाषा का विरोध नहीं करते। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम हिंदी की अनिवार्यता को सहन करेंगे। शिवसेना का गठन मराठी माणूस के लिए ही हुआ था।

बताया जा रहा है कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना 5 जुलाई को मुंबई में एक संयुक्त मार्च निकालने जा रहे हैं। पहले दोनों ही दल अलग-अलग मार्च निकालनी योजना बना रहे थे, लेकिन अब राज्य पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में दोनों ने साथ आने का फैसला किया है। दावा किया जा रहा है कि उद्धव और राज ठाकरे दोनों गिरगांव चौपाटी से आजाद मैदान तक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।